GCG1-2-HI

यीशु सारे विश्वासियों को चेले बनाने के लिए बुलाता है - प्रोग्राम 2

नंबर एक बात जो यीशु चाहता है विश्वासी करे अमेरिका में, कैनडा में, मध्य अमेरिका में, दक्षिण अमेरिका में, यूरोप में, मध्य-पूर्व में, अफ्रीका, आशिया में, फिलिपीन्स और ऑस्ट्रेलिया में/

यीशु ने कहा जाओ और चेले बनाओ, चेला क्या है? आप चेला कैसे बनाते हैं?

आज मेरे मेहमान हैं जो हमने बताएँगे, वो हैं रॉबी गैलेटी, ऐसे मनुष्य जो 3200 लोगों के चर्च के पास्टर हैं/ और सुबह की चार आराधना होती हैं, इन्होने व्यक्तिगत रूप में चेले बनाए हैं, हर साल 7 या 8 लोगों को/ और वो भी आगे बढकर दूसरों को चेले बनाते हैं/

अब यदि आपने किसी को चेला नही बनाया है, क्या ये सच में संभव है कि आप इसे कर सकते हैं? आपको कौनसी व्यवहारिक बातें जानना जरूरी हैं?

आज आप इसे देखेगे, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, आज महान प्रोग्राम है, मैं खासकर विदेश के दर्शकों का स्वागत करता हूँ, यूरोप, मध्य-पूर्व और अफ्रीका में, और हालही में मैंने सुना है तेहरान, इरान के लोगों से भी, हांगकांग से, सिंगापूर से, भारत से, और बहुत से दर्शक देख रहे हैं, इंगलैंड से, स्कॉटलैंड, फ्रान्स, जर्मनी, और स्विट्ज़रलैंड से, और फिर अफ्रीका से और दक्षिण अमेरिका से, और जो विषय हमने आज चुना है वो तो ऐसा है जो इस प्रोग्राम को देखने वाले 200 देशों के लिए लागू होता है/ वो है यीशु की मुख्य आज्ञा जो उसने चर्च को दी थी, व्यक्तिगत रूप में हर विश्वासी को, जिसे महान आज्ञा कहते हैं,और आज इसे बताने के लिए हमारे साथ हमारे देश के विशेष बाइबल शिक्षक हैं, रॉबी गैलीटी, और ये हमें बताएगे और प्रभु वचन से सिखाएगे, ये आपको प्रोत्साहित करेगा, आपको उठाएगा/ देखिए महान आज्ञा में प्रतिज्ञाएँ हैं जिसके बारे में शायद आप सचेत न हो/ और यहाँ पर बहुतसी जानकारी हैं, मैं सोचता हूँ कि आप इसे रोचक पाएगे/ तो मैंने इन्हें आकर बताने के लिए न्योता दिया है/ रॉबी, महान आज्ञा में ये इस तरह शुरू होती है/ इस बहुत ही अद्भुत वाक्य के साथ में, जो यीशु मसीह ने कहा था, वो क्या है?

रॉबी गैलेटी: मत्ती 28:16 से 20, यही महान आज्ञा है, यीशु ने कहा, स्वर्ग और पृथ्वी का सारा अधिकार मुझे दिया गया है, और फिर उसने कहा इसलिए तुम जाकर चेले बनाओ/

अब यही सवाल है जॉन, हम इसे कैसे चुक गए इतने साल तक? हम इसे कैसे चुक गए? मैंने कुछ अध्यन किया और बाइबल के असली किंग जेम्स वर्शन में से देखा, और सदियों तक, यदि हमने ये अनुवाद पढ़ा है, तो हम इस आज्ञा की मुख्य बात को चुक गए हैं/ इस महान आज्ञा में इसलिए चेले बनाओ/ इसका अनुवाद सिखाए किया गया है,चलिए देखते हैं कि असली किंग जेम्स क्या कहता है? इसलिए तुम जाओ, और सब देशों को सिखाओ, उन्हें पिता और पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम में बप्तिस्मा दो, और मैंने जो भी तुम्हें सिखाया है वो उन्हें मानना सिखाओ/ ये दिलचस्प है कि सिखाओ ये शब्द दो जगह पर उपयोग किया गया, बाइबल के इस किंग जेम्स वर्शन में/ ये शब्द, मैथटेयस, जो ग्रीक से अनुवाद किया गया है, ये शब्द है चेले बनाए/ ये शब्द है चेले बनाने के लिए, इसका अर्थ शिक्षा देना भी है लेकिन इसका सार चेले बनाना है, अब/ उसके बाद उन्होंने इस अनुवाद को सही भी किया है/ और उसके बाद से हर अनुवाद में, सही तरह से अनुवाद हुआ है, चेले बनाने के रूप में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और इस में फर्क है, शिक्षा देने में, प्रचार करना और चेले बनाने में, और हम इस प्रोग्राम में इसके बारे में बताएगे/

रॉबी गैलेटी: जी, मैं इसे दो भागों में बताना चाहता हूँ, सबसे पहले, मैं बताना चाहता हूँ, इसके पहले कि हम चेले बनाने, हमें खुद चेला बनाना है, और दूसरी बात, तो ये है कि चेले बनने की इस यात्रा में, जॉन, हमने चेले बनाने भी हैं/ ये पर्याय नही है, सुझाव भी नही है/ ये ऐसा नही जो आप कर सकते हैं, ये प्रभु यीशु मसीह की ओर से आज्ञा है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हमें ये दो पॉइंट्स बताइए रॉबी/

रॉबी गैलेटी: चेले बनाने के लिए हमें चेला होना चाहिए/ बाइबल में मसीही शब्द का उपयोग तीन बार हुआ है, इस नए नियम में,और इन में से दो बार, प्रेरति अध्याय 11 में, हम इसे पहली बार देखते हैं, मसीही इसे नकारात्मक रूप में उपयोग किया गया है, ये विभाजन के रूप में बाइबल की एक डिशनरी बताती है/ पहली सदी में किसी ने इस तरह से नही सोचा था, कि वो खुद मसीही बताएगे, उन्हें छोटे मसीह के रूप में जाना जाता था, आज हम इस शब्द का सकारात्मक उपयोग करते हैं/ याने मसीही शब्द तीन बार उपयोग किया गया है/ जरा अनुमान लगाइए कि चेले शब्द कितनी बार उपयोग किया गया होगा?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बहुत बार/

रॉबी गैलेटी: बहुत बार,नए नियम में 269 बार चेला शब्द उपयोग किया गया, सुसमाचार में ही यीशु इसका 238 बार उपयोग करता है/ तो स्वाभाविक सवाल ये उठता है/ यीशु हम से क्या अपेक्षा करता है/ मसीही जो जाए या चेले हो जाए?

और जवाब ये है कि वो चाहता है कि हम चेले हो जाए, अब चेले शब्द दिलचस्प है, चलिए इसे देखते हैं, मैं समझाता हूँ/ चेला तो सीखनेवाला होता है, ये ऐसा होता है जो और किसी के नीचे होकर सीखता है/ चाहे वो व्यक्ति चेले बनाने वाले का चेला हो, या वो किसी के द्वारा चेले बनाए जा रहे हैं/ अब हम ये बात जानते हैं, हमारे समाज में ये विचार है रेसीडेन्सी इन मेडिसिन, जहाँ जवान डॉक्टर जाकर किसी अनुभवी प्रैक्टिशनर के नीचे इसका अभ्यास करता है/ हमारे पास ये शब्द है प्लम्बर और किसी का अपरेंटिस होता है/ जैसे कोई इलेक्ट्रीशियन और किसी का अप्रेन्टिस होता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: खुद एक चेले होने के दुसरे स्वभाव गुण क्या हैं?/

रॉबी गैलेटी: जी, बाइबल में चेले होने के बहुत से स्वभावगुण हैं/ मैं लोगों को प्रोत्साहित करता हूँ कि इसे देखते जाए, चलिए मैं तीन मुख्य स्वभावगुण बताऊं/ सबसे पहले जॉन, चेला अनुशासित होता है, पौलुस तीमुथियुस से पहला तीमुथियुस 4 में कहता है, पर अशुद्ध और बूढियों की सी कहानियों से अलग रह और भक्ति के लिए अपनी साधना कर/ अब यहाँ ट्रेन शब्द तो अद्भुत है/ ये सच में ग्रीक में गुमनाजिया है/ जिससे हमें इंग्लिश शब्द जिमनेसियम मिलता है/ याने पौलुस तीमुथियुस को आज्ञा देता है, तुम अपने आप को ट्रेन करो, ऐसा कुछ जिसे करने की आज्ञा दी है, लेकिन ये ऐसा भी है जो तुम्हें प्रतिदिन सक्रिय रूप में इसे करना है/

एक और जगह लुका अध्याय 9:57 में, तीन लोग यीशु के पास आते हैं, आपको वो कहानी याद है, एक ने कहा मैं तेरे पीछे चलूँगा और यीशु ने कहा सुनो, मेरे पास सोने के लिए भी जगह नही है/ मैं इन ऊँचे उडनेवाले रब्बी जैसे नही हूँ, मैं सबसे अच्छे होटल में नही रहता, मेरे पास सोने के लिए भी जगह नही है/ दूसरा व्यक्ति पीछे आकर कहता है, मैं तेरे पीछे चलूँगा, लेकिन पहले जाकर मैं अपने पिता को दफना दूँ, यीशु ने कहा नही प्रभु राज्य इतना महत्वपूर्ण है, मुर्दों को मुर्दे गाढ़ने दो, और तुम मेरे पीछे हो लो/ और आखरी व्यक्ति कहता है, मैं तेरे पीछे चलूँगा लेकिन पहले जाकर अपने माता-पिता से विदा ले लूँ/ और यीशु ने कहा नही राज्य तो अभी है, तुम उसे बाद में कर सकते हो/ यीशु हमें ये दिखाता है/ चेले होने के कारण हमें समर्पित होना होगा,केवल अनुशासन नही, केवल समपर्ण नही, हमें स्वार्थहीन होना चाहिए/ देखिए पुरे वचन में यीशु ने कहा, तुम्हें परिवार का इनकार करना है/ तुम्हें भाई का इनकार करना है, तुम्हें चीजों का इनकार करना है, और तुम्हें खुद का भी इनकार करना है/ कि मेरे चेले बनकर मेरे पीछे चलो/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: कुछ लोग चेले होने की कीमत को चुकाना नही चाहते हैं/ शायद उनके पास पूरी कीमत न हो, जैसे पहले के समय में लोगों के पास थी, जो मारे गए, लेकिन जो छोटी किमत भी, वो चुकाना नही चाहते हैं, नही चाहते हैं, पिछले हफ्ते हमने चर्चा की थी कि कुछ लोग जब स्वर्ग में जाएगे, वो तो मेरे योग्य नही होगे, वो अपना प्रतिफल खो देगे, और जब कि अभी आप जीवित हैं, एक तरह से आप क्यों मरे हुए हैं, क्यों एक जगह पर हैं, क्यों लगता है कि आप अपने विश्वास में क्यों नही बढ़ रहे हैं? क्योंकि हम उस मुख्य आज्ञा को नही कर रहे हैं जो उसने हमें करने के लिए कही है, जो आप में उत्साह लाएगा, ये आपको परमेश्वर की इच्छा में लेकर आएगा/

रॉबी गैलेटी: जी, चलिए इस तरह से बताता हूँ, ये महान बात है/ चेला तो वो व्यक्ति है जो निरंतर सीखता है, तो ये सवाल है, क्या कोई व्यक्ति चेला हो सकता है बिना किसी सेमनरी या बाइबल की पढाई के? और जवाब तो हाँ है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बिलकुल/

रॉबी गैलेटी: हो सकते हैं/ लेकिन दूसरा पहलू ये है, क्या कोई व्यक्ति चेला नही हो सकता है, और सेमनरी की पढाई कर सकता है, मास्टर्स डिग्री, पी एच डी, कई साल तक चर्च के पास्टर रहे हैं, और जवाब है हाँ, और उसका कारण यही है/ वो सीखना बंद कर देते हैं, वो बढना बंद कर देते हैं, वो उन्नति रोक देते हैं, वो प्रभु यीशु मसीह के साथ संबंध को पोषण देना बंद कर देते हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी, मैंने ऐसे सर्वे देखे हैं जो दिखाते हैं कि सामान्य चर्च में, केवल 10 प्रतिशत लोग, चर्च के काम में जुड़े हुए होते हैं/ सामान्य रूप में चर्च के काम में जुड़े होते हैं और 90 प्रतिशत केवल आकर बैठते और सुनते हैं/ महान आज्ञा हमें बताती है कि हमें इस तरह से काम नही करना चाहिए/ पास्टर्स को ही सबकुछ नही

करना है, उन्हें हर सभा में जाने की जरूरत नही है, पास्टर्स को क्या करना चाहिए, और ये महान आज्ञा का सुनना कहाँ से आता है?

रॉबी गैलेटी: जी, चर्च में ये अपेक्षा की जाती है जॉन, कि पास्टर और स्टाफ को ही सेवकाई के सारे काम करने चाहिए/ मुझे याद है जब मैं नया विश्वासी था, मैंने एक कहानी सुनी थी, ये कहानी है एक बड़े पास्टर की जिन्हें एक जवान पास्टर से फोन आता है, उन्होंने कहा कि चर्च बहुत अच्छा चल रहा है, हम बहुत से लोगों कोबप्तिस्मा लेते हुए देख रहे हैं, ये पहले से भी ज्यादा है, मसीह के लिए बहुत निर्णय लिए गए हैं, ज्यादा लोग आ रहे हैं, हमारा सन्डे स्कुल बढ़ रहा है, उन्होंने कहा कि मेरे पास एक समस्या है, उन्होंने कहा कि मैं चर्च की ओर देखता हूँ, और मैंने जाना कि मेरे पास कोई नही है जो खुद को उतार सकता है दूसरों के जीवन में, उन्होंने कहा कि मुझे कोई चाहिए जो मेरे टेप्स को लेकर कही देने से बढकर करनेवाला होना चाहिए/ मुझे ऐसा कोई चाहिए जो केवल बिजनेस मीटिंग चलाने से बढकर कुछ करनेवाला होना चाहिए/ या सन्डे स्कुल क्लास में भी पढ़ा सके,उन्होंने कहा कि मुझे चर्च में यही चाहिए, मुझे ऐसा व्यक्ति चाहिए जो किसी को मसीह के पास लेकर आए, विश्वास की यात्रा में उनके साथ चले, और उसे और किसी के जीवन में उत्पन्न करनेवाला हो/ उन्होंने कहा जैसे मैं अपनेचर्च को देखता हूँ, मेरे पास ऐसा कोई नही है जो ये कर सकता है/

बाइबल का मेनडेट जो यीशु मसीह ने पौलुस को दिया, वो है इफिसियों अध्याय 4 वचन 11 और 12 में, पौलुस के वचन को सुनिए/ उसने वचन 11 में कहा, और उसने कितनो को प्रेरित करने और भविष्यवक्ता और सुसमाचार प्रचार करनेवाले, रखवाले और शिक्षक करके दे दिया, क्यों? जिससे पवित्र लोग सिद्ध हो जाए, और सेवा का काम किया जाए,और मसीह की देह उन्नति पाए/ इसलिए जो आज्ञा जो पौलुस चर्च को देता है, वो ये है, सेवक के रूप में आपका काम, ये है कि दूसरों को तैयार करे, चर्च में दुसरे लोगों के जीवन में अपना जीवन उंडेलते जाए/

पास्टर एडमिनिस्ट्रेशन में बहुत व्यस्त हो जाते हैं, बिजनेस मीटिंग करते हैं, एक सभा से सभा में भागते रहते हैं/ और मैं सोचता हूँ कि यदि हम अपन ध्यान बदल दे/ संख्या में बड़ा चर्च बनाने से हटकर लोगों को आत्मिक रूप में बढ़ाने की ओर ध्यान दे, मैं तो अपने चर्च में जॉन, इसके बजाए कि लोग एक मिल चौड़े और एक इंच गहरे हो, मैं चाहता हूँ कि लोग परमेश्वर के वचन में गहरे जो जाए, और परमेश्वर की इच्छा को जाने, प्रभु की आज्ञाओं को जाने, अपने अपने जीवन के लिए प्रभु के मार्गों को जाने/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: मैं सोचता हूँ कि ये बहुत महत्वपूर्ण है, हमें इसे एक और बार कहना चाहिए/ इसे फिर से कहिए/

रॉबी गैलेटी: चलिए मैं स्पष्ट कर दूँ कि ये केवल पास्टर का काम नही है कि चेले बनाए, ये सब विश्वासियों का काम है/ यीशु ने सारे विश्वासियों को आज्ञा दी है, इसलिए जाओ और चेले बनाओ/ बील हायवल एक चर्च के पास्टर हैं,जिसमे लगभग 25000 लोग हैं, और उसके चर्च की स्टडी करने के बाद, उन्होंने पाया, उनके वाक्य हैं, कि उन्होंने वेक अप कॉल पाया अपनी पूरी सेवकाई में, ये इस सच्चाई पर आधारित था कि वो बहुत से लोगों को चर्च में ला रहे थे/ लेकिन वो चेले नही बना रहे थे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, अब हम ब्रेक लेगे रॉबी, वापस आने पर, मैं चाहता हूँ कि आप लोगों को बताए, कि हम कैसे चेले बना सकते हैं, ठीक है, हम चर्चा कर रहे हैं कि चेला क्या है/ लेकिन हम एक और चेला कैसे बनाएगे, तो बने रहिए हम लौट आएगे/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है, हम लौट आए हैं, हम रॉबी गैलेटी से चर्चा कर रहे हैं, चर्चा कर रहे हैं उस नंबर एक बात पर जो यीशु मसीह ने हर मसीही विश्वासी को आज्ञा दी है, कि ये करे,और ये महान आज्ञा का भाग है, हमने इसके अलग दृष्टिकोण के बारे में चर्चा की, हमने चर्चा की है कि चेले बनाने के लिए सबसे पहले आपको चेला होना होगा, अब हम दुसरे पॉइंट पर आते हैं कि हम कैसे चेले बनाते हैं/

रॉबी गैलेटी: जी, अब इस समय तक तो हमें जान लेना चाहिए कि हमें अपने मसीही जीवन में अनुशासित होना चाहिए/ लेकिन सवाल ये है रॉबी, हम चेले कैसे बनाएगे, और हम चेले क्यों बनाते हैं? मैं इसे तीन पॉइंट्स में बताऊंगा/

सबसे पहले यीशु ने इसे निश्चित किया है/ सवाल ही नही/ यीशु ने कहा/ इसलिए तुम जाकर चेले बनाओ, यही इस आज्ञा का मुख्य सार है/ इतने साल में हम इस आज्ञा को गलत समझते रहे हैं/ हमने सोचा कि जाना आज्ञा है/ या शिक्षा देना आज्ञा है/ या बप्तिस्मा देना आज्ञा है/ लेकिन ये तो इसका भाग है/ लेकिन इस आज्ञा की नीव है कि चेले बनाए/ याने यीशु ने निश्चित किया,

दूसरी बात उसने आदर्श रखा/ युहन्ना अध्याय 17 जिसे महा-याजक की प्रार्थना कहते हैं/ ऐसी प्रार्थना जहाँ यीशु पिता के साथ अकेला होता है/ क्रूस पर जाने से पहले/ वो परमेश्वर के पास आकर ये दिलचस्प वाक्य कहता है, वचन 4 में, जो काम तूने मुझे करने को दिया था, मैंने उसे पूरा किया है, ये पूरा शब्द, वही शब्द है जो उसने क्रूस पर उपयोग किया था, जब उसने कहा कि ये पूरा हुआ, वो ये कहता है कि ये पूरा हुआ, तूने मुझे एक काम दिया था/ और मैंने इसे किया है/ तो स्वाभाविक सवाल ये है, परमेश्वर ने उसे क्या काम दिया था? बहुत लोग कहेगे खैर वो तो क्रूस पर जाकर मरना था, पुरे संसार के पापों के लिए/ और ये सत्य है/ समस्या ये है कि ये अब तक नही हुआ/ ये तो कृसिकरण के पहले की बात है/ शायद कुछ लोग कहे परमेश्वर उसे कुछ चमत्कार करने के लिए निर्देश देगा/ और वो सत्य है,लेकिन इस वचन में नही, शायद परमेश्वर ने उसे शिक्षा देने के लिए कहा और ये सत्य है, लेकिन इस वचन में नही/

यदि आप युहन्ना 17 के सन्दर्भ को देखते हैं/ मैं लोगों से कहता हूँ कि ऐसे कीजिए, आप देखेगे कि वचन के इस भाग में 40 बार, यीशु उन मनुष्यों के बारे में कहता है जो परमेश्वर ने उसे दी थे/ इसे देखिए वचन 6 में, वो क्या कहता है युहन्ना 17 में, मैंने तेरा नाम उन मनुष्यों पर प्रकट किया है जिन्हें तूने जगत में से मुझे दिया, वे तेरे थे और तूने उन्हें मुझे दिया और उन्होंने तेरे वचन को मान लिया है/ क्या आप देखते हैं, पुरे वचन में, परमेश्वर तूने मुझे एक काम दिया है, और काम ये था कि मैं अपने जीवन को दूसरे लोगों के जीवन में लेकर आऊ/ खासकर प्रेरितों में/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: रॉबी, प्रेरित भी इसके लिए आदर्श रहे हैं, इसके बारे में बताइए/

रॉबी गैलेटी: जी, प्रेरित अध्याय 2 में जब पतरस खड़ा हुआ और वो महान संदेश देने लगा,पेंटिकुस्त के दिन, 3000 लोग उस दिन प्रभु को जाने, अब शायद आज हम जो करते हैं उन्होंने उससे कुछ अगल किया था, वो काड्र्स भरने में दिलचस्पी नही ले रहे थे, वो दिलचस्पी नही ले रहे थे कि लोग कतार में आगे आए, वो लोगों को गिनने में दिलचस्पी ले रहे थे/ वो अपने मन में ये सोचने की कोशीश कर रहे थे, अब हम 3000 लोगों को चेले कैसे बनाएगे/ ये तो बहुत बड़ा ऐसा काम है/ याने प्रेरित तो पुरे प्रेरितों के काम की किताब में, और नए नियम में, इसके आदर्श रहे हैं,

मैं सोचता हूँ कि सबसे बड़ा उदाहरण दूसरा तीमुथियुस 2:2 है/ यहाँ पर प्रेरित पौलुस है, वो जेल में है, अपने जीवन के अंत में, और वो तीमुथियुस को आज्ञा देता है, वचन 1 में, इसलिए हे मेरे पुत्र, तू उस अनुग्रह से जो मसीह यीशु में है, बलवंत हो जा/ और जो बातें तूने बहुत से गवाहों के सामने मुझ से सुनी है, उन्हें विश्वासी

मनुष्यों को सौंप दे, जो औरों को भी सिखाने के योग्य हो/ चार पीढ़ी जॉन,इस चेले बनाने के एक वचन में,पौलुस ने तीमुथियुस में निवेश किया, 1 से 2, तीमुथियुस ने विश्वासयोग्य मनुष्यों को दिया, 2 से 3, जो दूसरों को भी सिखा सकते थे, 3 और 4, वचन के इस एक सन्दर्भ में चेलों कि चार पीढ़ी है/

जॉन, जानते हैं बिली ग्राहम ने कहा, इस वचन ने बाइबल के दुसरे भी वचनों से ज्यादा उन पर प्रभाव डाला है/ चेले बनाने के अनुसार/ अब सवाल पूछता हूँ क्या केवल प्रचार ही चेले बना सकता है/ क्या पी एच डी पेपर, पिछले बारिश में मैं ने एवी विलिस को इमेल भेजा/ जो मास्टर लाइफ के लेखक और संस्थापक हैं/ महान चेले बनाने वाले/ और मैंने उन से सवाल पूछा क्या केवल प्रचार चेलों को उत्पन्न कर सकता है/ उन्होंने जवाब में लिखा कि मैं पेपर पर ठंडा पानी फेकना पसंद नही करता/ उन्होंने कहा कि चेले बनाने के लिए प्रचार, तो नर्सरी में जाने जैसे है कि जाकर बच्चों को दूध दे और जाते समय कहे, मैंने बच्चों को भोजन दिया है/ जब कि ये कुछ भाग में मदत करेगा, लेकिन ये चेले उत्पन्न नही करेगा/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और हमारे पास ये गिनती है जो सच में दिखाती है कि इस समय चर्च में क्या हो रहा है/

रॉबी गैलेटी: जी, हम इसे चुक गए हैं जॉन, और मैं सोचता हूँ कि हम इसी कारण इसे चुक गए हैं, क्योंकि हमने सुसमाचार को अंत बना दिया है/ देखिए हम अच्छी तरह से सुसमाचार प्रचार करते हैं/ हम लोगों से कहते हैं कि वो मसीह को प्रतिउत्तर दे/ कार्ड साइन करे, या आइल में सामने आए, लेकिन समस्या है ये कि उसके बाद हम क्या करते हैं/ हमने गेंद गिरा दी और लोगों से कहा कि वो यीशु के पास आ सकते हैं, कि नर्क से बचे और स्वर्ग में आए, लेकिन हम विश्वास की रेखा पार करवाने में चुक गए हैं, और उनके जीवन में खुद भोजन देनेवाले हो गए/

मैंने कुछ दिलचस्प गिनती देखी है, बॉब गिलियन टी नेट इंटरनेशनल से उन्होंने एक सर्वे किया, चर्च में जानेवाले 4000 लोगों में, 35 अलग डिनोमिनेशन में, और वो बहुत दिलचस्प बात को लेकर आए, उन्होंने इस तरह से कहा, उन्होंने कहा कि चर्च के 24 प्रतिशत लोगों ने बताया है कि उनका व्यवहार पीछे हटता जा रहा है/ और ये आगे ये कहता है 41 प्रतिशत ने कहा कि वो अपनी आत्मिक उन्नति में एक जगह पर अटके हैं, लगभग चर्च के 3 चौथाई सदस्यों ने कहा कि वो अपने चर्च की उन्नति में एक जगह पर अटके हुए हैं, अब मेरा सवाल ये है, क्या मसीही जीवन एक जगह अटका होना चाहिए? क्या विश्वासियों को पीछे जाना चाहिए, ये एक ही जगह रहना है और मैं सोचता हूँ नही/

डे सेंटर के अनुसार, न्यू ओर्लीन्स बैप्टिस्ट थियोलिजिल सेमनरी के अनुसार, उन्होंने पुरे 44 हजार सदर्न बैप्टिस्ट चर्च का अध्यन किया, 7 अलग क्रायटेरिया से/ और उन्होंने पाया कि 10 में से 9 सदर्न बैप्टिस्ट चर्च एक जगह हैं या नीचे जा रहे हैं/ जरा इसके बारे में सोचिए कि यदि चर्च एक जगह हैं, तो नीचे ही आएगे, याने 10 में से 9 चर्च एक जगह हैं या नीचे आ रहे हैं/ सवाल है क्यों? और मैं सोचता हूँ कि कारण ये है हमारे पास ऐसे चर्च हैं जो चेले न बने चेलों से भरे हुए हैं/ हमाँरे पास ऐसे स्त्री और पुरुष हैं जिन्हें बाइबल पढना पसंद है/ जो प्रार्थना करना पसंद करते हैं, जो वचन याद करना पसंद करते हैं, लेकिन वो नही जानते हैं कि कैसे, कोई भी उनके जीवन में साथ में नही आया और उनका हाथ थामकर उन्हें चेले बनाने की क्रिया में से नही लेकर गया/ और मैं सोचता हूँ जॉन कि आज हमारे चर्च में हमें इसी चीज़ की बहुत जरूरत है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम इसे कैसे कर सकते हैं रॉबी, लोग जानना चाहते हैं कि हम इसे कैसे कर सकते हैं?

रॉबी गैलेटी: खैर मैं बताता हूँ कि कैसे न करे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है/

रॉबी गैलेटी: जो हमने नही करना चाहिए, कि किसी व्यक्ति के पास जाकर कहे, क्या आप चाहते हैं कि मैं आपको चेला बनाऊ? ये कईबार काम नही करता है/ ये ज्यादा हस्तक्षेप करनेवाला और हावी होनेवाला होगा/ इसे अच्छी तरह से कहने का तरीका ये है/ क्या आप मिलकर बाइबल पढ़ना पसंद करेगे? क्या आप हफ्ते में एक बार मिलना पसंद करेगे, कि वचन याद करे, क्या आप चाहते हैं कि हफ्ते में एक बार मिलकर एक दुसरे को लेखा दे/ चेले बनाने की क्रिया में/ मुझे चुनौती मिली की चेले बनाऊ/ क्योंकि जब मैं विश्वास के खलिहान से पार गया, मेरे जीवन में दो भाई आए, टीम लीफ्लोर और डेविड प्लैट, इन दो भाइयों ने उस आदमी को बनाया, जो हालही में नशे से बाहर आया था, कोकेन और हेरोइन लेने की आदत से, जो पहले बड़ा शराबी था/ वो विश्वास में आया, वो मेरे जीवन में आए और मुझे चेले बनाने की क्रिया में से लेकर गए, अब मैं चेले बनाने से इतना प्रभावित हो गया हूँ, मैं चेले बनाने का उत्पादन हूँ/ कि मैं अपने जीवन को लोगों में निवेश करता हूँ, 9 लोगों के साथ इस समय जॉन, हर हफ्ते, मैं अपना जीवन उस में उन्डेलता हूँ, और मैं उन्हें प्रार्थना करना सिखाता हूँ, हम जीवन में एक साथ चलते हैं, हम एक दुसरे के लिए लेखा देते हैं, और हम विश्वास का सिद्धांत सीखते हैं, हम थियोलोजी साथ में पढ़ते हैं/ और हम ये भी सीखते हैं कि पत्नी के साथ कैसे व्यवहार करे/ बच्चों की परवरिश कैसे करे/ कैसे एक साथ मिलकर वचन में चले/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: आप उनके साथ कितना समय बितात्ते हैं?/

रॉबी गैलेटी: मैं हफ्ते में डेढ़ घंटा बिताता हूँ, हम कॉफ़ी पर मिलते हैं या लंच पर मिलते हैं/ हम एक साथ जीवन जीते हैं/ ये जीवन के साथ जीवन का चेला बनाना है, हम सिखने के पल को देखते हैं, ये दिलचस्प बात है, चेले बनाने की क्रिया में ऐसा समय होता है/ जहाँ सीखनेवाला पल होता है, हम इसे बना नही सकते, इसे प्रकट नही कर सकते/ ये ऐसे ही होता है परमेश्वर आलौकिक मौका देता है/ कि उनके जीवन में जिन्दगी कहे, और हम इसे करने लगते हैं, ये तो छोटी बातें हैं, जो बड़ा बदलाव लाती है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ठीक है दोस्तों,रॉबी और भी चर्चा करेगे कि हम चेले कैसे बनाते हैं/ आनेवाले, आनेवाले प्रोग्राम में बताएगे, लेकिन आप क्या चाहते हैं कि लोग इस प्रोग्राम से क्या सीखे?

रॉबी गैलेटी: जॉन, आज मैं यहाँ नही होता, यदि उन भाइयों में मुझ में निवेश नही किया होता/ यदि उन्होंने समय नही निकाला होता कि मेरे जीवन में निवेश करे, और मैं लोगों से यही पूछना चाहता हूँ कि आप क्या कर रहे हैं, कि दुसरे लोगों के जीवन में निवेश करे/ आप कितने लोगों से मिलते हैं, अब पहली बार वो कहते हैं, पास्टर ये पहली बार है मैं जब इस विचार के बारे में सुना है/ और ये ठीक है, लेकिन आज आपको जानबुझकर कोशीश करनी है, कि कहे कि मैं चेले बनाने की क्रिया को शुरू करना चाहता हूँ, याद रखिए आप तक तब चेले नही बना सकते हैं जब तक कि आप खुद को अनुशासित न करे/ मैं सोचता हूँ कि जब हम स्वर्ग में जाएगे/ प्रभु इससे प्रभावित नही होगा कि हमारा घर कितना बड़ा था, हमारी कार कितनी अच्छी थी, हमारा 401 के कितना गहरा गया/ वो हम से सवाल पूछेगा, मैं सोचता हूँ कि वो हम से पूछेगा/ तुमने कितने लोगों में व्यक्तिगत रूप में निवेश किया, कितने लोगों को तुमने व्यक्तिगत रूप में चेले बनाया, सारे देशों से?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी, और मैं सोचता हूँ कि आप कुछ लोग जो रिटायर हो चुके हैं, प्रोग्राम देख रहे हैं/ आप दुसरे दोस्तों के साथ कॉफ़ी पिने के लिए मिलते हैं/ आप इसमें प्रभु को लेकर आ सकते हैं, आप अपने दोस्तों को चेले बना सकते हैं, आप खुलकर देख सकते हैं कि क्या वो प्रभु का वचन सिखने के लिए तैयार हैं, और आप में से दुसरे लोग जो जीवन में भुत व्यस्थ हैं, आप लोगों के साथ लंच कर सकते हैं, ऐसे तरीके हैं जिससे आप इसे कर सकते हैं, और बाकी लोग जो यूनिवर्सिटी विद्यार्थियों के साथ काम करते हैं, सच तो ये है कि समय होता है कि आप मिल सकते हैं, आप वो समय निश्चित करे जब वो वहां हो, आगे हम इस पर और भी चर्चा करेगे/

हमारे अगले प्रोग्राम में हम जिस सवाल को देखेगे, इसके बारे में, कि जो विश्वासी ठंडे दिल के साथ कहते हैं नही, मैं इसे नही करूंगा, ठीक है, अब यहाँ पर आपके पास सत्य है, यहाँ आपके पास संदेश है, जो उन्हें परमेश्वर के साथ संबंध में लेकर आ सकता है, अनंतजीवन में, और आप उन्हें ये नही बता रहे हैं? तो इसका यही अर्थ होगा कि आपके पडोसी को आप पसंद नही करते हैं, इतना ज्यादा कि आप उसे अद्भुत सुसमाचार सुनने नही देना चाहते हैं, अगले प्रोग्राम में इसके बारे में और भी चर्चा करेगे, आशा करता हूँ कि आप हमारे साथ जुड़ जाएगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्न् द्यद्द ठ्ठड़ड़्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ ख्ऋद्मण्द्दध्र्.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्द्दद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2017 ऋच्ङक्ष्